मेरे बजरंगबली कैसे लंका जली,
तूने लंका जलाई मजा आ गया,
मच गई खलबली,
ना किसी की चली,
सोने की लंका जलाई मजा आ गया,
मेरें बजरंगबली कैसे लंका जली,
तूने लंका जलाई मजा आ गया।।

तर्ज मेरे रश्के कमर।

माता सीता की खोज में तुम तो गये,
अशोक वाटिका में सीता मां के,
सन्मुख भये,
बाग ऐसा उजाड़ा रखवारे थे बली,
मार सबको भगाई मजा आ गया,
मेरें बजरंगबली कैसे लंका जली,
तूने लंका जलाई मजा आ गया।।

ब्रह्मास्त्र में बंधे आये दरबार में,
पूंछ कपड़ा लपेटे न रहा दरबार में,
लंबी पूंछ बढ़ी उसमें तेल घी डली,
आग उसमें लगाई मजा आ गया,
मेरें बजरंगबली कैसे लंका जली,
तूने लंका जलाई मजा आ गया।।

मेरे बजरंगबली कैसे लंका जली,
तूने लंका जलाई मजा आ गया,
मच गई खलबली,
ना किसी की चली,
सोने की लंका जलाई मजा आ गया,
मेरें बजरंगबली कैसे लंका जली,
तूने लंका जलाई मजा आ गया।।

गीतकार व गायक संजू वाडीवा।
9893323746

Source: https://www.bharattemples.com/mere-bajrangbali-kaise-lanka-jali/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw